>

Title: Regarding alleged arbitrariness of private schools affiliated under CBSE Board.

श्री अरूण साव (बिलासपुर): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से राज्य सरकार का ध्यान अभिभावकों की समस्या की ओर आकर्षित करना चाहता हूं । सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम संचालित करने वाली निजी शैक्षणिक संस्थाएं अपनी मनमानी करती हैं । वे जब चाहे, जितना चाहे फीस बढ़ाती हैं । वे अपने स्कूलों में एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित पुस्तकें नहीं चलाती हैं और अभिभावकों को भारी कीमत वाली निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदने के लिए बाध्य करती हैं । मेरे लोक सभा क्षेत्र बिलासपुर में अभिभावक संघ द्वारा लम्बे समय से इस विषय को लेकर आंदोलन किया जा रहा है ।

सी.बी.एस.ई. के द्वारा रिमार्किंग, रिवैल्यूएशन और कॉपी प्रदान करने के लिए जो फीस है, उसे भी मनमाने ढंग से बढ़ाया गया है । इसी तरह से, निजी शैक्षणिक संस्थाएं अपने कर्मचारियों और शिक्षकों का शोषण करते हैं और इन्हें पर्याप्त वेतन-भत्ते नहीं देते हैं ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि इस दिशा में कोई आवश्यक दिशा-निर्देश और नियम बनाने का कष्ट करें ।